

प्रश्नक,

अभिलेख श्रीवारनर,

अपर सचिव,

उत्तराखल शासन।

सेवा में,

निदेशक,

युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल,

उत्तराखल, देहरादून।

युवा कल्याण अनुभाग

देहरादून दिनांक: 4 मार्च, 2006

विषय:- जनपद देहरादून के विकासखण्ड-रायपुर में पूर्व में निर्मित इन्डोर हाल के अवशेष कार्य हेतु धनान्वन के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-2212/साल-1190/2004-05 दिनांक-13 फरवरी, 2006 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि उक्त विकासखण्ड में इन्डोर हाल के अवशेष कार्य हेतु विल विभाग टी0ए0सी0 द्वारा औचित्यपूर्ण धनराशि रुपये 13.96 लाख की विलीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति देते हुए विलीय वर्ष 2005-06 में व्यय करने की श्री राज्यपाल महोदय निम्नलिखित शर्तों के आधार पर सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :

i) आगमन में उल्लिखित दरों का विवरण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को जो दरे डिडरूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं है, अथवा बाजार भाव से ली गई हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता को अनुमोदन आवश्यक है।

ii) कार्य करने से पूर्व विरुद्ध आगमन/मानविन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधानित स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधानित स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।

iii) कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नाम है, स्वीकृत नाम से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

iv) एक भुल प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विरुद्ध आगमन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।

v) कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुक्रम ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।

vi) कार्य करने से पूर्व स्थल का भली-भांति निरीक्षण लिपणी के अनुक्रम कार्य किया जाय।

vii) आगमन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाए एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाए।

viii) निर्माण सामग्री प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री का किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाय तथा उपर्युक्त

मायी जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाय।

2. उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबंध के साथ स्वीकृत की जाती है कि मिलवयी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का

(18)

1. महलखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तरांचल, देहरादून।
2. निजी सचिव, मा० मुख्यांश जी, उत्तरांचल शासन।
3. आयुक्त कुमाऊं/गढ़वाल मण्डल, उत्तरांचल।
4. जिलाधिकारी, देहरादून।
5. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
6. बजट एकाकीय नियोजन व संसाधन निदेशालय, सचिवालय देहरादून।
7. निदेशक, एन०आइ०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
8. अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियंत्रण सेवा, देहरादून।
9. वित्त (अय-नियंत्रण) अनुभाग-3, उत्तरांचल, देहरादून।
10. गाई फाइल।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनाएँ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
 पृष्ठांकन संख्या- 76 / VI-1 / 2006-57 / यू०क० / 2001, तददिनांकित

भवदीय
 (अमितभ श्रीवास्तव)
 अपर सचिव

6. उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अधीन संख्या-105/वित्त XXVII (3)/2006 दिनांक-03 मार्च, 2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं।
5. इस संबंध में होने वाला अय वित्तीय वर्ष 2005-06 के अनुदान संख्या-11 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2204 खेती तथा युवा सेवाएँ-00-001-निर्देशन तथा प्रशासन-आयोजनागत-07-ग्रामीण क्षेत्रों में मिनी स्ट्रेडियम-00-24 गृह निर्माण कार्य मानक मद के नामों जाला जायेगा।
4. स्वीकृत की जा रही धनराशि के अय के उपरान्त इसका उपयोजिता प्रमाण-पत्र शासन को प्रस्तुत कर दिया जायेगा।
3. धनराशि उसी मद में अय की जाय जिसके लिए स्वीकृत की जा रही है। अय में मिलव्यता के संबंध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय। स्वीकृत धनराशि के अय के विवरण शासन तथा महलखाकार को नियमित रूप से भेजे।
2. धनराशि उसी मद में अय की जाय जिसके लिए स्वीकृत की जा रही है। अय में मिलव्यता के संबंध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय। स्वीकृत धनराशि के अय के विवरण शासन तथा महलखाकार को नियमित रूप से भेजे।
1. महलखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तरांचल, देहरादून।
2. निजी सचिव, मा० मुख्यांश जी, उत्तरांचल शासन।
3. आयुक्त कुमाऊं/गढ़वाल मण्डल, उत्तरांचल।
4. जिलाधिकारी, देहरादून।
5. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
6. बजट एकाकीय नियोजन व संसाधन निदेशालय, सचिवालय देहरादून।
7. निदेशक, एन०आइ०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
8. अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियंत्रण सेवा, देहरादून।
9. वित्त (अय-नियंत्रण) अनुभाग-3, उत्तरांचल, देहरादून।
10. गाई फाइल।

आज्ञा से
 (अमितभ श्रीवास्तव)
 अपर सचिव